

युद्ध कौशल 3.0 सैन्य अभ्यास

स्रोत: TH

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के कामेंग क्षेत्र में युद्ध कौशल 3.0 सैन्य अभ्यास संपन्न किया।

युद्ध कौशल सैन्य अभ्यास

- यह भारतीय सेना के अभ्यासों की एक शृंखला है जसि युद्ध तत्परता, परिचालन प्रभावशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकियों के एकीकरण को मज़बूत करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- **मुख्य विशेषताएँ:** इसमें पारंपरिक युद्ध को अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों जैसे ड्रोन, मानवरहित प्रणालियाँ, सटीक हथियार, सुरक्षा संचार और उन्नत रणनीतिकों के साथ जोड़कर **बहु-क्षेत्रीय ऑपरेशन** शामिल हैं।
 - इसमें प्रायः **भारतीय वायु सेना के साथ संयुक्त अभियान** तथा **भारतीय रक्षा उद्योग** और शिक्षा जगत की भागीदारी शामिल होती है।
- **युद्ध कौशल 2025: चतुर्थ (गजराज) कोर** द्वारा आयोजित इस अभ्यास में बहु-क्षेत्रीय ऑपरेशन शामिल थे, जसिमें ड्रोन निगरानी, वास्तविक समय लक्ष्यीकरण, सटीक हमले, हवाई-तटीय प्रभुत्व और एकीकृत युद्धक्षेत्र रणनीति शामिल थी।
 - इसने **अश्विनी पलटनों (ASHNI platoons)** की संचालनात्मक शुरुआत देखी, जो भारतीय सेना की समर्पित ड्रोन इकाइयाँ हैं। ये इकाइयाँ उन्नत तकनीक को सदिध युद्धक रणनीतियों के साथ मिलाकर पैदल सेना को अगली पीढ़ी के युद्ध में निर्णायक बढ़त प्रदान करती हैं।

और पढ़ें: [भारत के प्रमुख सैन्य अभ्यास](#)